दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-२४ वा | रविवार २१ सितम्बर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

तुकाराम मुंढे एक्शन मोड में, बोगस दिव्यांगों पर होगी कार्रवाई; राज्य के ३४ जेडपी मुख्याधिकारियों को निर्देश

मुंबई : संवाददाता

धड़कदार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे काफी दिनों बाद एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। वर्तमान में उनके पास राज्य के दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव पद की जिम्मेदारी है और उन्होंने दिव्यांगों के लिए योजनाओं का लाभ बोगस तरीके से लेने वालों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। राज्य में बोगस दिव्यांगों की जांच-पड़ताल करने के लिखित आदेश गुरुवार १८ सितंबर को राज्य के तुकाराम मुंढे ने राज्य के सभी ३४ जिला परिषदों के मुख्याधिकारियों को दिए हैं। इससे, सचिव से आदेश मिलते ही मुख्याधिकारियों ने दिव्यांग प्रमाणपत्रों की जांच शुरू कर दी है। विशेष बात यह है कि जेडपी के शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्माण विभाग सहित सभी विभागों के अंतर्गत आने वाले सभी अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारी इसमें शामिल हैं। इससे, बोगस प्रमाणपत्र लेने वाले कर्मचारियों के होश उड़ गए हैं और प्रमाणपत्र देने वाले अधिकारियों की भी नींद उड़ गई है।

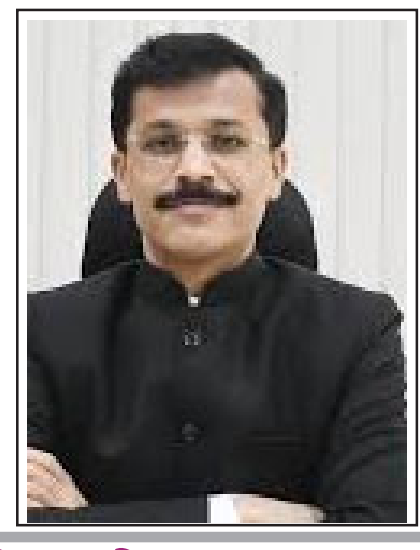

प्रत्येक दिव्यांग व्यक्ति को सम्मान और संतोष के साथ जीने का अधिकार है। दिव्यांग नागरिक भी समृद्ध, संतोषजनक और सम्मानजनक जीवन जी सकते हैं। समाज और समुदाय के रूप में हमें उनके साथ सम्मान और समानता से व्यवहार करना आवश्यक है। उनके अधिकारों से उन्हें वंचित नहीं रखना चाहिए। दिव्यांग व्यक्तियों का सशक्तिकरण करके उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना न्याय की मांग है, ऐसा तुकाराम मुंढे ने कहा है। समावेशन, सम्मान और समान अवसरों पर ही वास्तविक रूप से सशक्त समाज की नींव रखी जाती है। आइए, हम सभी मिलकर वास्तविक रूप से सर्वसमावेशी समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्हें सशक्त बनाएं।

राज्य के सभी ३४ जिला परिषदों के सीईओ से एक महीने में जांच का रिपोर्ट दिव्यांग कल्याण आयुक्त के पास जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। दिव्यांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम २०१६ की धारा ९१ के अनुसार बोगस दिव्यांग व्यक्ति को २ वर्ष तक कारावास या १ लाख रुपये तक जुर्माना या दोनों दंड के लिए योग्य ठहराया जा सकता है। राज्य में बोगस दिव्यांगों की संख्या बढ़ गई है। जिला परिषद के अंतर्गत कार्यरत दिव्यांग अधिकारी और कर्मचारी तथा शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारी दिव्यांग प्रमाणपत्र के आधार पर सरकार की विभिन्न छूटों का लाभ लेते हैं। इस बारे में विभाग को कई शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों में दिव्यांगों के यूनिवर्सल आईडी कार्ड के बारे में संदेह व्यक्त किया गया है। इसलिए राज्य के सभी कुल ३४ जिला परिषदों में दिव्यांगता के प्रमाणपत्रों की जांच करने के निर्देश दिव्यांग कल्याण विभाग ने दिए हैं।

बोगस लाभ लेने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

जांच के बाद योग्य दिव्यांगता वाले दिव्यांगों को ही अनुमेय लाभ देने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं दिव्यांगता का प्रमाणपत्र गलत, नकली पाया गया, प्रमाण ४० प्रतिशत से कम होगा तो ऐसे दिव्यांगों को कोई लाभ नहीं दिया जाए। साथ ही उन्हें दिए गए लाभ बंद करके उनके द्वारा लिए गए लाभ के बारे में कार्रवाई करने के निर्देश भी सचिव तुकाराम मुंढे ने सभी जिला परिषद मुख्याधिकारियों को दिए हैं।

अचानक खेत से दौड़कर आए, कृषि मंत्री की गाड़ी के सामने टकराए; शिवसैनिकों ने काले झंडे दिखाए

जबरदस्त बरसात से हुवे नुकसान जदा लोगों कि मदद के लिए समीर काजी ने बढ़ाया हाथ।

काजी अमान/बीड

पिछले कुछ दिनों पहले अतिवृष्टि के कारण क्षति पहुंचे बीड जिले के घरों के पुनर्वास के लिए और आपदा प्रभावितों की मदद के लिए महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के कर्तव्यनिष्ठ और कार्यकुशल अध्यक्ष समीर काजी दौड़कर आए हैं और उन्होंने वक्फ बोर्ड के माध्यम से प्रत्येक २० हजार रुपये के हिसाब से ३ लाख ६० हजार रुपये की मदद घोषित की है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से आपदा प्रभावितों की मदद करने के लिए उन्हें अनुरोध किया गया था।

बीड जिले में पिछले कुछ दिनों पहले हुई अतिवृष्टि के कारण कई घरों को नुकसान पहुंचा, जबकि कुछ घर जमीनदोस्त हो गए। इन १८ घरों के पुनर्वास के लिए जमीयत उलेमा-ए-हिंद (मौलाना अर्शद मदनी गुट) बीड के अनुरोध पर महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काजी ने प्रत्येक २० हजार रुपये के हिसाब से कुल ३ लाख ६० हजार रुपये की आर्थिक मदद घोषित की। इस अवसर पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद के जिला अध्यक्ष हाफिज जाकिर सिद्दीकी, जिला उपाध्यक्ष फारुक पटेल, बीड नगर परिषद के पूर्व

सभापति अशफाक इनामदार, गेवराई के वरिष्ठ पत्रकार काजी अमान, सिराज आरजू, सलामत पठान, संपादक अबूबक्र चौस, बरकत लाला पठान, नूर लाला पठान सहित कई मान्यवर उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए समीर काजी ने कहा कि, महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड एक ऐसा प्लेटफॉर्म है कि, समाज का ऐसा कोई प्रश्न नहीं है जो इस प्लेटफॉर्म से हल नहीं किया जा सकता। वक्फ एक्ट में ऐसी कुछ प्रावधान हैं कि, उसका अध्ययन करने पर ऐसा ध्यान में आएगा कि, हम वक्फ के प्लेटफॉर्म को मजबूत करेंगे तो हमें किसी के सामने हाथ फैलाने की नौबत नहीं आएगी। मैं कैश वक्फ से घरों के पुनर्वास के लिए मदद करूंगा। जैसे जमीन वक्फ की जा सकती है वैसे ही कैश भी वक्फ किया जा सकता है। पिछले ७० वर्षों से बोर्ड में कैश वक्फ का अकाउंट भी नहीं खोला गया था। मैं अध्यक्ष बनने के बाद अगस्त २०२४ में इसके बारे में प्रस्ताव लिया गया और कैश वक्फ का अकाउंट शुरू हुआ। पीएचडी करने की इच्छा रखने वाले अल्पसंख्यक मुस्लिम समाज के विद्यार्थियों को एक लाख रुपये की छात्रवृत्ति, विधवा और निराधार महिलाओं को बचत समूहों के जाल से बचाने के लिए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए ५० हजार रुपये की मदद तथा मस्जिद के इमामों का वेतन भी कैश वक्फ के हेड से किया जाएगा। इस प्रकार गरीब लोगों की मदद करने के लिए, जरूरतमंद व्यक्तियों की जरूरतें पूरी करने के लिए और विभिन्न समाजोपयोगी उपक्रम चलाने के लिए समाज के दानवीर व्यक्तियों को कैश वक्फ करने के लिए आगे आना चाहिए, ऐसा भावपूर्ण और विनम्र आह्वान वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काजी ने अंत में किया।

आपदा प्रभावितों को सिर्फ मिलने नहीं बल्कि मदद भी करूंगा - समीर काजी

मैं यात्रा में होने के कारण बीड जिले में अतिवृष्टि के कारण क्षति पहुंचे आपदा प्रभावितों से मिल नहीं सका।

लेकिन मैं अब जल्द ही घरों को नुकसान पहुंचे और घर जमीनदोस्त हुए आपदा प्रभावितों को सिर्फ मिलने नहीं बल्कि उन्हें मदद भी करूंगा, ऐसा महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के कर्तव्यनिष्ठ और कार्यकुशल अध्यक्ष समीर काजी ने इस समय बताया।

डॉ. मोहम्मद नासेर बागवान को राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार से सम्मानित किया गया

बीड : राष्ट्रीय उर्दू शिक्षक कर्मचारी संघ भारत द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर ग़ालिब अकादमी, नई दिल्ली में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि चौधरी वासिल अली गुर्जर, सम्मानित अतिथि मुहम्मद अज़हर सईद डाइट व्याख्याता चंदौली, डॉ. नेहा इकबाल डाइट व्याख्याता मुरादाबाद, ओबैदुर रहमान गोरिल्ला पेंड्रा मीरवाही छत्तीसगढ़, मुहम्मद तौहीद कोलकाता पश्चिम बंगाल, अब्दुल सत्तार मल्लपुरम मुनाफ ए कोलम केरल, तनवीर अहमद बिजनौर आदि थे। राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार कार्यक्रम में लगभग २२ राज्यों के उर्दू शिक्षकों और उर्दू प्रोफेसरों ने भाग लिया। शिक्षक दिवस के अवसर पर, मिलिया आर्ट्स साइंस एंड मैनेजमेंट साइंस कॉलेज, बीड,

महाराष्ट्र के उर्दू विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. मोहम्मद नासेर मोहम्मद उस्मान बागवान को राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर उन्हें संस्था के अध्यक्ष डॉ. सलीम अहमद बिन महफूज, सचिव खान सबीहा मैडम ने बधाई दी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इलियास फ़ाज़िल ने हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर उप-प्राचार्य प्रोफ़ेसर हुसैनी एसएस, उर्दू विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफ़ेसर सैय्यद फ़रीद अहमद नेहरी, प्रोफ़ेसर अब्दुल समद, प्रोफ़ेसर शेख़ फ़िरोज़ इलियास, डॉ. क़ाज़ी अर्शिया जबीन, डॉ. मुफ्ती तवक्कल, मुज़म्मिल फ़ारूक़ी, लहू अगम लाइब्रेरियन आमिर सलीम, कार्यालय अधीक्षक शेख़ रिज़वान, सभी कर्मचारियों, छात्रों, रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों ने बधाई और शुभकामनाएँ दीं। दिल्ली में राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार से सम्मानित होना बीड ज़िले और महाराष्ट्र राज्य के लिए गर्व की बात है।

आई लव मुहम्मद

यूपी के कानपुर घटना के निषेध में बीड में आंदोलन

प्रॉफेट मुहम्मद साहब पर हमारा सब कुछ कुर्बान-ॲड.शेख शफीक भाई

बीड संवाददाता

मुफ्ती मोहियुद्दीन, जहीर कादरी, सैयद आबेद की उपस्थिति

उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में आई लव मुहम्मद नाम के पोस्टर लगाने के कारण वहां के २४ युवकों पर उत्तर प्रदेश सरकार के दबाव में पुलिस प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके पडसाद पूरे भारत में शुरू हो गए। मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत हुईं क्योंकि प्रॉफेट मुहम्मद साहब के नाम के पोस्टर लगाने से अगर मुकदमा दर्ज होता है तो भारत में मुस्लिम समाज के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की भूमिका और पुलिस की भूमिका द्वितीय श्रेणी के नागरिकत्व की दिखाई देती है। इसकी नाराजगी पूरे भारत में मुस्लिम समाज ने विभिन्न माध्यमों से आंदोलन के रूप में व्यक्त की है। २०१४ में भाजपा सरकार आने के बाद से मुस्लिम समाज के प्रॉफेट मुहम्मद साहब के मामले में जानबूझकर हिंदुत्ववादी कट्टरवादी लोग, जो हिंदू-मुस्लिम एकता में दरार डालने की कोशिश करते हैं, वे हर बार ऐसा कोई कृत्य करते हैं और अब इसमें उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशासन की यह मानसिकता भी जुड़ गई है क्योंकि अगर मुहम्मद साहब के पोस्टर लगाने से मुकदमा दर्ज होता है तो यह डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा भारत को दिए गए संविधान का उल्लंघन है। इसी आधार पर बीड के बशीरगंज चौक में शुक्रवार की नमाज के बाद एमआईएम पार्टी की ओर से आंदोलन किया गया। और नारे लगाए गए। इस मौके पर मुफ्ती मोहियुद्दीन साहब, केजीएन के जहीर कादरी साहब, एसडीपीआई के सैयद आबेद ने मार्गदर्शन किया। इस मौके पर खन्ना भैया, नगरसेवक शेख मतीन, वरिष्ठ नेता सलाम शेठ, हाफिज मोहसिन साहब, हमीद पालेखान, अखील भाई, इलियास भाई, शेख मुदस्सीर, साजन चौधरी, शेख सलमान, फहाद चौस, रेहान भाई, बासेद भाई, अतिक भाई, सफी दादा, सोहेल शिकलकर सहित बड़ी संख्या में बीड शहर के नागरिक उपस्थित थे।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

आ.संदीप भैय्या का लगातार दूसरे दिन अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा; किसानों को दिलाया भरोसा

शिरूर (का) राजस्व मंडल में हुए नुकसान की सरसरी भरपाई देने की मांग

बीड, २० (प्रतिनिधि) – अतिवृष्टि से शिरूर (का) तहसील के किसानों को भारी नुकसान हुआ है। इसी सिलसिले में विधायक संदीप क्षीरसागर ने विभिन्न प्रभावित स्थानों का दौरा कर किसानों से संवाद किया और उनके लिए सरसरी भरपाई की मांग की।

पिछले कुछ दिनों से बीड़ और शिरूर (का) क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते कई राजस्व मंडलों में अतिवृष्टि का कहर देखने को मिला है। शुक्रवार को संदीप क्षीरसागर ने बीड़ तहसील के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। आज उन्होंने शिरूर (का) तहसील के हिवरसिंगा स्थित कैनॉल रोड, रोकडेश्वर नगर, बरगवाड़ी, घुगेवाड़ी, रौंद वस्ती (खरगवाड़ी), धनगरवाड़ी, कसपटेवस्ती, कैतके वस्ती खालापुरी और भानकवाड़ी (वरची) जैसे प्रभावित स्थलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान खेतों में पानी भरा हुआ नजर आया, मानो छोटे-छोटे तालाब बन गए हों। कहीं मिट्टी बह जाने से खेत पूरी तरह खाली हो गए हैं तो कहीं खड़ी फसल पानी में डूबकर नष्ट हो गई है।

शिरूर कासार तहसील के खोकरमोहा

गांव में विधायक ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं। किसानों ने मुख्य सड़क निर्माण, नदी पर नया पुल बनाने, बंधारा दुरुस्त करने, रुका हुआ सड़क कार्य शुरू करने और जायकवाड़ी क्रमांक ३ तालाब की मरम्मत की मांग रखी। इस पर विधायक ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

संदीप क्षीरसागर ने बीड़ व शिरूर (का) तहसील के सभी राजस्व मंडलों में अतिवृष्टि से हुए फसल और सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान की जानकारी लेते हुए सरकार से सरसरी भरपाई देने की मांग की। उन्होंने प्रशासन को तात्काळ पंचनामे करने और किसानों को बिना विलंब मदद पहुंचाने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि बीड़ विधानसभा क्षेत्र के शिरूर तालुका में किसानों की सोयाबीन फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। जब तक किसानों को न्याय नहीं मिलेगा, वे लगातार प्रयास करते रहेंगे।

संदीप भैय्या, हमें भरपाई दिलाइए; किसानों की आंखों के आँसू ने झकझोर दिया

बीड़ तहसील में अतिवृष्टि से किसानों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। निरीक्षण के दौरान किसानों ने अपनी व्यथा साझा की। बारिश से हुए नुकसान का वर्णन करते समय किसानों की आँखों से निकले आँसू सब कुछ कह गए। किसानों ने विनती की – संदीप भैय्या, हमें आर्थिक मदद दिलाइए, इस विपत्ति से बचाइए। यह दृश्य हर किसी का मन द्रवित कर गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में बीड में रविवार को भव्य मुफ्त विविध स्वास्थ्य शिविर

जरूरतमंद मरीजों को बड़ी संख्या में लाभ उठाना चाहिए-अशोक लोढ़ा

बीड (प्रतिनिधि) देश के लोकप्रिय और दृढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्रजी मोदी का जन्मदिन सेवा पखवाड़ा के रूप में सर्वत्र मनाया जा रहा है। इसी संदर्भ में बीड शहर में रविवार २१ सितंबर २०२५ को सुबह १० से दोपहर ३ बजे तक भव्य मुफ्त विविध स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। राज्य की पर्यावरण एवं पशुपालन मंत्री लोकनेत्री पंकजाताई मुंडे के हाथों इस शिविर का उद्घाटन होगा। इस अवसर पर माननीय सुभाषचंद्र सारडा, डॉ. सुभाष जोशी, जिलाध्यक्ष शंकर देशमुख, सर्जेराव तांडले सहित भाजपा आघाड़ी जिलाध्यक्ष एवं विश्वस्त आदि मान्यवर उपस्थित रहेंगे। जरूरतमंद मरीजों को इस मुफ्त शिविर का लाभ उठाना चाहिए, ऐसा आह्वान भारतीय जनता पार्टी के बीड शहराध्यक्ष अशोक लोढ़ा ने किया है।

बीड शहर में छत्रपति शाहू बैंक, ओस्तवाल हॉस्पिटल के बाजू में स्थित आनंद ऋषिजी हॉस्पिटल में २१ सितंबर को सुबह १० से दोपहर ३ बजे तक यह मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर संपन्न होगा। मरीजों को इस शिविर में आने से पहले ८२६२००९०९१ इस नंबर पर नाम दर्ज कराना चाहिए। इस शिविर में मुफ्त एक्स-रे निकाला जाएगा तथा रक्त जांच, सीबीसी, शुगर जांच तथा महात्मा फुले जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मुफ्त डायलिसिस किया जाएगा। इसके साथ ही मुफ्त नेत्र जांच इस शिविर के माध्यम से की जाएगी। साथ ही रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अनुजा नितिन लोढ़ा के मार्गदर्शन में केवल ३०० रुपये शुल्क में सोनोग्राफी की जाएगी तथा ५०० रुपये में सीटी स्कैन किया जाएगा। मरीजों को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए, ऐसा आह्वान भाजपा शहराध्यक्ष अशोक लोढ़ा ने किया है।

पहली बार भव्य रूप में मुफ्त सभी रोग निदान स्वास्थ्य शिविर

प्रधानमंत्री नरेंद्रजी मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में और सेवा पखवाड़ा के अवसर पर बीड शहर में पहली बार भव्य रूप में मुफ्त सभी रोग निदान स्वास्थ्य शिविर शहर के जैन सोशल फेडरेशन संचालित आनंदऋषिजी हॉस्पिटल में हो रहा है। इस हॉस्पिटल के माध्यम से आज तक जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक उपचार आर्थिक झटका लगे बिना उपलब्ध कराया गया है और स्वास्थ्य सेवा का यह यज्ञ आगे भी इसी तरह जारी रहेगा, इसलिए आज के इस सभी रोग निदान स्वास्थ्य शिविर का मरीजों को अवश्य लाभ उठाना चाहिए, ऐसा आह्वान भी भाजपा शहराध्यक्ष अशोक लोढ़ा ने किया है।

नुकसानग्रस्त क्षेत्रों का तात्काळ पंचनामा कर किसानों को तुरंत मदद दें-डॉ.ज्योति मेटे

बीड़ (प्रतिनिधि):

पिछले पंद्रह दिनों में बीड़ जिले में अतिवृष्टि होने से हजारों हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। साथ ही पशुधन का भी भारी नुकसान हुआ है। नुकसानग्रस्त क्षेत्रों का तुरंत पंचनामा कर किसानों को तात्कालिक मदद देना जरूरी है। सरकार ने फसल बीमा योजना के ट्रिगर में बदलाव किया है,

जिससे किसानों को अग्रिम मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। यदि किसानों को समय पर आर्थिक मदद दी जाए तो रबी सीजन की बुआई पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। ऐसा कहना है शिवसंग्राम अध्यक्ष डॉ. ज्योति विनायक राव मेटे का, जिन्होंने जिलाधिकारी को इस संदर्भ में निवेदन सौंपा है।

खरीफ सीजन के लिए जिले का कुल फसल ऋण वितरण लक्ष्य १४४० करोड़ तय किया गया था। १५ सितंबर २०२५ तक ९७८.६२ करोड़ का वितरण हुआ है, जो कुल लक्ष्य का ६८% है। इसमें ग्रामीण बैंकों की हिस्सेदारी ७२% और निजी बैंकों की हिस्सेदारी मात्र ३२% है। ग्रामीण बैंक किसानों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, फिर भी इनके माध्यम से केवल ३५,५३१ खातेदारों को ही ऋण वितरित हुआ है। वहीं निजी बैंकों ने सिर्फ १,३९३ खातेदारों को ही कर्ज दिया है। खासकर क्सिस और कोटक महिंद्रा बैंक का ऋण वितरण शून्य है, जो गंभीर स्थिति है।

बीड़ जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक और सार्वजनिक बैंकों ने क्रमशः ४३,६३० और २८,९४७ खातेदारों को ऋण वितरण किया है। किसान क्रेडिट कार्ड के जरिए कुल १,०९,५०१ खातेदारों को कर्ज मिला है। लेकिन जिले के सभी पात्र खातेदारों की तुलना में यह वितरण अत्यंत असंतोषजनक है।

खरीफ सीजन की फसल अब कटाई के करीब है, ऐसे में हुए नुकसान और असंतोषजनक ऋण वितरण का बड़ा खामियाजा जिले के किसानों को भुगतना पड़ेगा। इस पर ध्यान देकर निर्धारित लक्ष्य पूरा न करने वाले बैंकों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ऐसी मांग भी डॉ. ज्योति मेटे ने की है।

गोवा : श्री गजानन नागरी सहकारी बैंक को बेस्ट रिस्क मैनेजमेंट अवॉर्ड-२०२५

गोवा – श्री गजानन नागरी सहकारी बैंक को बेस्ट रिस्क मैनेजमेंट अवॉर्ड-२०२५ से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार बैंकिंग फ्रंटियर द्वारा आयोजित भव्य समारोह में घोषित किया गया।

यह सम्मान नेशनल अर्बन कोऑपरेटिव फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली के सीईओ प्रभात चतुर्वेदी के हाथों प्रदान किया गया। पुरस्कार ग्रहण करते समय बैंक के सीईओ महादेव रंगनाथ क्षीरसागर, सरव्यवस्थापक डॉ. शेख मंज़ूर अहमद शेख सलीम, सहायक प्रबंधक श्री सोनार और राठौड़ उपस्थित रहे।

इस उपलब्धि पर बैंक के चेयरमैन श्री जयदत्त सोनाजीराव क्षीरसागर (अण्णा), उपाध्यक्ष श्री जगदीश वासुदेव काले (भाऊ) और संचालक मंडल ने अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई दी तथा शुभकामनाएँ दीं। साथ ही उन्होंने सभी सभासदों, जमाकर्ताओं और खाताधारकों का आभार व्यक्त किया।

एसटी में होंगे १७,४५० संविदा चालक और सहायकों की भर्ती

महामंडल की बैठक में हुआ निर्णय

मुंबई : जमीर काजी

भविष्य में आने वाली ८ हजार नई बसों के लिए आवश्यक जनशक्ति की भारी ज़रूरत को देखते हुए, संविदा पद्धति से १७,४५० चालक और सहायकों की भर्ती की जाएगी। इस भर्ती की निविदा प्रक्रिया आगामी २ अक्टूबर से शुरू होगी।

इस भर्ती प्रक्रिया के ज़रिए राज्य के हज़ारों बेरोज़गार युवक-युवतियों को रोज़गार उपलब्ध होगा और उन्हें हर महीने न्यूनतम ३० हज़ार रुपये वेतन मिलेगा। ऐसा परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने बताया।

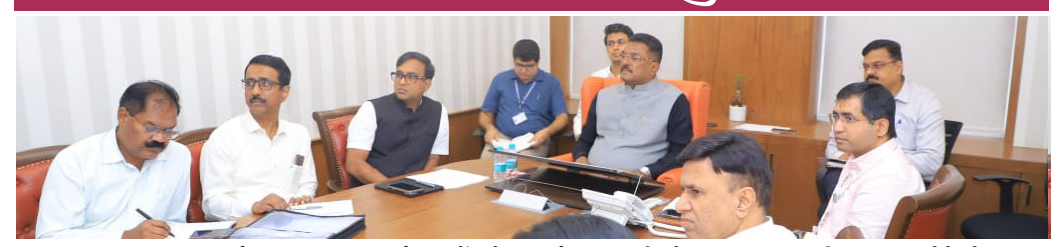

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडल की ३००वीं संचालक मंडल बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, बस सेवा सुचारू रखने के लिए आवश्यक चालक और सहायक कर्मचारियों को ३ वर्ष की अवधि के लिए ठेके पर (संविदा पद्धति से) रखने हेतु ई-निविदा प्रक्रिया अपनाई जा रही है। यह ई-निविदा प्रक्रिया ६ प्रादेशिक विभागों के अनुसार चलाई जाएगी। प्रक्रिया पूरी होने के बाद, मानव संसाधन उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं से आवश्यक कर्मचारी राज्य परिवहन महामंडल को समय पर मिल सकेंगे।

शिक्षकों के तबादले से लिंबागणेश स्कूल में भावुक वातावरण

शिक्षकों के सेवाभावी कार्य को ग्रामवासियों का सलाम; शिक्षकों के मन में गांव के प्रति कृतज्ञता

लिंबागणेश :- (दि.२०) बीड तालुका के लिंबागणेश स्थित जिला परिषद केंद्रीय प्राथमिक स्कूल में आज (शनिवार) भावुक वातावरण में विदाई समारोह संपन्न हुआ। प्रधानाध्यापक सहित चार शिक्षकों के तबादले के कारण विद्यार्थियों के साथ-साथ ग्रामवासियों की आंखों में आंसू आ गए।

स्कूल प्रबंधन समिति, अभिभावकों और ग्रामवासियों की ओर से इस समारोह का आयोजन बड़े उत्साह से किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. गणेश ढवळे ने की। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुधीर वाणी, एड. गणेश वाणी, विक्रांत वाणी, भीमराव वाणी, बालासाहेब मुले, दामोदर थोरात, समीर शेख, रमेश गायकवाड़, संतोष भोसले, अशोक जाधव, शेख अख्तर, सलीम शेख, चेतन कानिटकर, शिवाजी वाणी, बालू मुले, सुखदेव वाणी, संजय पावले सहित ग्रामवासी और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा फुले, क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले और भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमाओं के पूजन से हुई। नव नियुक्त प्रभारी

प्रधानाध्यापक दीपक घाटे, ज्योति सानप, गीते का शाल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

५ में से तबादला हुए प्रधानाध्यापक आबासाहेब हंगे, आदर्श शिक्षक पुरस्कार प्राप्त अमर पुरी, भारत चौरे, संदीपन आगाम और सहशिक्षिका श्रीमती माधुरी कुलकर्णी का शाल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया। सम्मान स्वीकारते समय शिक्षकों की आंखों में आंसू छलक आए, भावनाएं अनियंत्रित हो गईं। उन्होंने अपने मनोगत में गांव के शैक्षणिक और सामाजिक कार्य का अवलोकन किया।

अध्यक्षीय भाषण में डॉ. गणेश ढवळे ने कहा कि, लिंबागणेश स्कूल के शिक्षकों ने विद्यार्थियों में केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि चरित्र, संस्कार और सामाजिक जागरूकता भी निर्माण की। स्कूल की गुणवत्ता बढ़ाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है, ऐसा उन्होंने उल्लेख किया। साथ ही शिक्षकों के सेवाभावी कार्य की सराहना करते हुए उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों के लिए यह क्षण अत्यंत पीड़ादायक साबित हुआ। हमें छोड़कर मत जाओ ऐसा आक्रोश बच्चों ने किया। कई विद्यार्थियों ने शिक्षकों के पैर छूकर विदाई दी। उन्हें उपहार दिए गए।

यह विदाई समारोह अभिभावकों, ग्रामवासियों और विद्यार्थियों की बड़ी उपस्थिति के कारण यादगार साबित हुआ। कार्यक्रम का संचालन अशोक जाधव ने किया जबकि आभार प्रदर्शन हरिओम क्षीरसागर ने किया। प्रा. लेनाजी गायकवाड़, बालासाहेब मुले, समीर शेख, रमेश गायकवाड़ इन अभिभावकों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com